अबीर की रेखाओं से बना हुआ चौखूंटा क्षेत्र, जिसमें कई खाने और चित्र बने होते हैं 3. नगर का मुख्य बाजार 4. वेश्याओं की बस्ती या मुहल्ला जो अधिकतर चौक या मुख्य चौराहों के पास होता है मुहा. चौक में बैठना-वेश्यावृत्ति करना 5. नगर के बीच का स्थान जहाँ से चारों ओर रास्ते गए हों, चौराहा 6. चौसर खेलने का कपड़ा, बिसात 7. सामने के चार दाँतों की पंक्ति 8. सीमंत कर्म 9. चार समूह।

चौक चाँदनी स्त्री. (तद्.) भादों के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाला एक त्यौहार।

चौकठ पुं. (तद्.) दे. चौखट।

चौकड़ा पुं. (देश.) 1. कान में पहनने की बाली जिसमें दो मोती हों 2. फसल की एक प्रकार की बँटाई, जिसमें जमींदार को चौथाई मिलता है।

चौकड़ी स्त्री. (देश.) 1. कुलांच, उड़ान, छलांग, हिरण की वह दौड़ जिसमें वह चारों पैर एक साथ फेंकता है मुहा. चौकड़ी भूल जाना- वृद्धिका काम न करना 2. चार आदिमियों का गुट, मंडली 3. एक प्रकार का गहना 4. चार युगों का समूह 5. पलथी 6. चारपाई की वह बुनावट जिसमें चारचार सुतिलयाँ इकट्ठी करके बुनी गई हो 7. मंदिरों का शिखर जो चार खंभों पर स्थित रहता है 8. चार घोड़ों की गाड़ी।

चौकन्ना वि. (देश.) सावधान, होशियार, चौकस, सजग।

चौकस वि. (देश.) 1. सावधान, सचेत, चौकन्ना, होशियार, खबरदार 2. ठीक, दुरुस्त, पूरा प्रयो. वह व्यापार करते समय चौकस रहता है।

चौकसी स्त्री. (देश.) सावधानी, होशियारी, निगरानी, खबरदारी।

चौका पुं. (तद्.) 1. पत्थर का चौकोर टुकड़ा, चौंखूँटी सिल 2. पत्थर का पाटा जिस पर रोटी बेलते हैं, चकला 2. सामने के चार दाँतों की पंक्ति 4. सिर का एक गहना 5. वह ईंट जिसकी लंबाई तथा चौंड़ाई बराबर हो 6. वह लिपा-पुता स्थान जहाँ हिंदू लोग रसोई बनाते और खाते हैं 7. बल्ले के एक ही प्रहार से बनाए गए चार रनों का समूह (क्रिकेट) 8. मिट्टी या गोबर का लेप

9. चार सींगों वाला जंगली बकरा 10. ताश का वह पत्ता जिसमें चार बूटियाँ हों 11. एक प्रकार का मोटा कपड़ा जो फर्श बनाने के काम आता है मुहा. चौका बरतन करना- बरतन माँजने और रसोई का काम करना; चौका करना- लीप पोतकर बराबर करना।

चौकाना स.क्रि. (देश.) 1. भय उत्पन्न करके चंचल कर देना, भड़काना प्रयो. उसने बंद्क छुड़ाकर घोड़े को चौका दिया 2. खबरदार करना, सतर्क करना, किसी बात का खटका पैदा करना 3. चिकत करना, आश्चर्य में डालना।

चौकी स्त्री. (देश.) 1. काठ या पत्थर का चार पायों वाला आसन, छोटा तख्त 2. मंदिर में मंडप के बीच के खंभों का स्थान 3. पड़ाव या ठहरने की जगह, टिकान, अड्डा, सराय प्रयो. चलो आगे की चौकी पर विश्राम करेंगे 4. वह स्थान जहाँ आस-पास की रक्षा के लिए थोड़े से सिपाही रहते हों प्रयो. सरकार ने इन लोगों की रक्षा के लिए प्लिस चौकी बना दी है 5. वह भेंट या पूजा जो किसी देवी, देवता, ब्रह्म, पीर आदि के स्थान पर चढ़ाई जाती है 6. जादू, टोना 7. तेलियों के कोल्हू में लगी हुई लकड़ी 8. गले में पहनने वाला एक गहना जिसमें चौकोर पटरी होती है 9. रोटी बेलने का छोटा चकला 10. भेड़ों और बकरियों का रात के समय किसी खेत में रहना 11. मेर्लो के अवसर पर निकलने वाली देवमूर्तियों की सवारी।

चौकीदार पुं. (देश.+फा.) 1. पहरा देने वाला 2. गोड़ैत।

चौकीदारा पुं. (देश.+फा.) चौकीदार रखने का चंदा, चौकीदारी।

चौकीदारी स्त्री. (देश.+फा.) 1. पहरा देने का काम, रखवाली, पहरेदारी 2. चौकीदार का पद 3. वह चंदा या कर जो चौकीदार रखने के लिए दिया जाए।

चौकुर पुं. (देश.) फसल की बटाई जिसमें से तीन-चौथाई भाग काश्तकार और एक-चौथाई जमींदार लेता है।

चौक्ष वि. (तत्.) 1. पवित्र, निर्मल, स्वच्छ 2. सुंदर, लुभावना, आनंददायक 3. चोखा।